केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 230 बुधवार 19 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मूल्यांकन का प्रतीकात्मक विरोध करेंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 19 मार्च से शुरू हो रहे यूपी बोर्ड उत्तर पत्रिकाओं के मूल्यांकन कार्य शिक्षक सरकार के प्रति विरोध स्वरूप अपनी बाँह पर काली पट्टी बाँधकर करेंगे।

मंगलवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ, बस्ती के जिलाध्यक्ष 'शिवपाल सिंह' ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सरकार से शिक्षक हित में चार सूत्रीय माँगों– पुरानी पेंशन की बहाली, धारा 12, 18 व 21 की पुनर्बहाली, वित्त विहीन शिक्षकों को समान कार्य हेतु समान वेतन तथा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा हेतु परीक्षक अपनी बाहों पर काली पट्टी बाँधकर मूल्यांकन कार्य करेंगे। इसी क्रम में जनपदीय कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण व शिक्षक जनपद के चारों मूल्यांकन केन्द्रों तथा अन्य विद्यालयों में चार सूत्रीय माँगों से संबंधित स्टीकर चस्पा कर रहे हैं।

कार डिवाइडर से भिड़ीः सभी सुरक्षित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फोरलेन पर जनपद के छावनी कस्बे में मंगलवार को बाइक से टकराकर अनियंत्रित हुई कार डिवाइडर से जा टकराई। छावनी थाने से करीब 100 मीटर की दूरी पर हुए हादसे में कार का एयर बैग खुल जाने से अंदर सवार लोगों सुरक्षित बच गए। कार का अगला दाहिना हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि कप्तानगंज थानाक्षेत्र निवासी सुनील कुमार वर्मा अपनी कार की सर्विसिंग कराने अयोध्या जा रहे थे। छावनी कस्बे में मंगलवार को दिन में बाइक सवार तीन युवक अचानक बाइक से सड़क पार करने लगे। इससे उनकी बाइक कार से टकरा गई। कार सवार बाइक सवार युवकों को बचाने के चक्कर में डिवाइडर से टकरा गया। बाइक सवार युवक कसियापुर से छावनी थाना क्षेत्र के सेवरा लाला में रिश्तेदारी में जा रहे थे। बाइक सवार युवक को पकड़कर लोगों ने छावनी पुलिस को सौंप दिया।

कुंडे से लटकता मिला ट्रक चालक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थानाक्षेत्र के छतरिया गांव निवासी ट्रक चालक संजय निषाद (32) का शव उसके घर में छत के कुंडे से लटकता हुआ मिला। संजय निषाद रात में खाना खाने के बाद अलग कमरे में सोने चला गया था। सुबह पत्नी ने जगाने के लिए कमरे का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई आवाज नहीं आई। अनहोनी की आशंका में पत्नी ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दूबे ने फोरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया। शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का माना जा रहा है। घरवाले घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संजय निषाद मुंबई में ट्रक चलाता था। करीब तीन महीने पहले वह घर वापस आया था। पत्नी शकुंतला ने बताया कि रोज की तरह उसके पति संजय भोजन करके कमरे में सोने चले गए। सुबह जब पति को जगाने गई तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो घबराहट में दरवाजे को तोड़ दिया। कमरे के अंदर क्या देखा की पति का शव दुपट्टे के सहारे छत की कुंडी से लटक रहा है। पति की मौत हो चुकी थी। इसके बाद घर में चीख पुकार होने लगी। संजय निषाद के एक 15 साल का बेटा है।

24 दलितों की हुई थी सामूहिक हत्या मामले में तीन को फांसी की सजा

फिरोजाबाद (आभा)। फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो–दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई। वहां उन्हें दाखिल किया गया।

एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया। लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई। दोपहर 3 बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की।

कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार पर उस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो–दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया। सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई। यह रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया।

फांसी की सजा पाने वाले रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए फांसी की सजा के खिलाफ 30 दिन के भीतर हाईकोर्ट में अपील भी कर सकते हैं। हाईकोर्ट सेशन कोर्ट के फैसले की समीक्षा के बाद अपना निर्णय लेकर फांसी की सजा को बरकरार रख सकती है या फिर सजा में संशोधन भी किया जा सकता है।

कोर्ट द्वारा सजा सुनाकर जेल भेजे गए तीनों दोषियों को पहले 14 दिन के लिए क्वारंटीन बैरक में रखा जाएगा। मंगलवार शाम जेल पहुंचते ही उनको इस बैरक में भेज दिया गया। यहां उनकी नियमित निगरानी होगी। जांचा जाएगा कि वह समय से खाना–पीना ले रहे हैं या नहीं, सो रहा है या नहीं। 14 दिन के बाद उसको नियमित बैरक में भेजा जाएगा।

दिहुली कांड के दोषी रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह जिला कारागार मैनपुरी में सोमवार की रात को करवटें बदलते रहे। वह अपनी सजा के बारे में ही सोचते रहे। कप्तान सिंह सबसे अधिक बेचैन था। जिला कारागार के कर्मियों के अनुसार इन तीनों की नियमित निगरानी भी की जा रही थी। मंगलवार को तीनों समय से उठे और नित्य क्रिया के बाद कोर्ट जाने को तैयार हो गए। मगर, इनके चेहरों पर सजा पाए का अजीब सा खौफ साफ दिखाई दे रहा था। सोमवार शाम को खाना भी कम ही खाया था। फिरोजाबाद जनपद के जसराना थाना क्षेत्र के ग्राम दिहुली (घटना के समय मैनपुरी का हिस्सा) में 24 दलितों की सामूहिक हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 में 18 नवंबर की शाम 6 बजे की यह घटना थी। डकैत संतोष और राधे के गिरोह ने एक मुकदमे में गवाही के विरोध में हथियारों से लैस होकर दिहुली गांव में घुसकर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों पर गोलियां चलाई गई थीं। इसमें 24 लोगों की मौत हुई थी।

चुनाव में पारदर्शिता के लिये राजनीतिक दलों के नेताओं से विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों एवं एसडीएम/ईआरओ के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि बीएलए की नियुक्ति ससमय कर लिया जाय। बैठक में ईआरओ द्वारा की गई विधान सभावार बैठक के बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित सभी पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि नामावली पुनरीक्षण संबंधी अभिलेख यथा–बीएलओ की सूची, बूथ की सूची, मतदाता सूची फॉर्म–9, 10, 11, 11ए व 11बी आदि सूचना व अभिलेख समय से प्राप्त हो जाते है। मतदाता सूची को स्वच्छ बनाए जाने पर सभी दलों द्वारा अपनी सहमति और सहयोग दिए जाने की बात कही गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान तथा राजनैतिक पार्टी बीजेपी, कांग्रेस, एसपी, बीएसपी, अपना दल, सीपीआई, आप के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

सवर्ण आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल मिश्र का किया फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय की संस्तुति पर महासचिव ठाकुर शिवम सिंह ने अनिल मिश्र को सवर्ण आर्मी का प्रदेश उपाध्यक्ष घोषित किया है। अनिल मिश्र को सवर्ण आर्मी का प्रदेश उपाध्यक्ष घोषित किये जाने पर संगठन पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष रवि कुमार शुक्ल के साथ अनिल मिश्र का अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वर शिव मंदिर पर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

सवर्ण आर्मी का प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल मिश्र ने कहा कि उन्हें संगठन स्तर पर जो दायित्व दिया गया है उसका निष्ठा से पालन करने के साथ ही सवर्ण समाज के हित के लिये समय–समय पर रचनात्मक प्रयास किये जायेंगे।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से सवर्ण आर्मी के जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्र, वैभव शुक्ल, विपिन सिंह के साथ ही बलेन्द्र पाल, सत्येन्द्र सिंह, सदानन्द दूबे, अरूण शुक्ल, ब्रम्हानन्द शुक्ल, महेन्द्र दुबे, मनोज पंकज सिंह, पूजा चौबे आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

बस्ती में आयोजित होगा बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले की प्रतिभाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने लाने के उद्देश्य से 'बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स' का भव्य आयोजन 10 अप्रैल को किया जाएगा। यह कार्यक्रम बस्ती के उन व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर जिले का नाम रोशन किया है।

आयोजक भावेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस प्रतिष्ठित सम्मान समारोह में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, समाज सेवा, कला एवं संस्कृति, व्यवसाय, खेल, उद्यमिता एवं स्टार्टअप, सिविल सेवा, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, साहित्य, महिला सशक्तिकरण, युवा नेतृत्व, कृषि, पत्रकारिता, विधि, सोशल मीडिया, राजनीतिक क्षेत्र, दिव्यांग सशक्तिकरण, विनिर्माण एवं उद्योग, आईटी और डिजिटल नवाचार, स्वच्छता आदि क्षेत्रों में योगदान देने वाली महान विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

बताया कि कार्यक्रम के प्रबंधन और संयोजन हेतु रितिकेश सहाय को संयोजक एवं डॉ० सुधांशु पाण्डेय को सह–संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि अभी तक 968 नामांकन प्राप्त हो चुके हैं और विधिवत स्क्रीनिंग के बाद चयनित प्रतिभाओं को आमंत्रित किया जाएगा।

आधार कार्ड से जुड़ेगी मतदाता सूची

नई दिल्ली (आभा)। चुनाव आयोग ने वोटर आईडी को आधार से जोड़ने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई हाई लेवल मीटिंग में इस पर चर्चा हुई। आयोग ने साफ किया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह संविधान और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत ही होगी।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि वोटर आईडी को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के तहत होगी। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आधार कार्ड सिर्फ पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। इसलिए आधार से लिंक करने की प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि सिर्फ भारतीय नागरिक ही मतदाता सूची में दर्ज हों।

आयोग ने कहा, 'संविधान के अनुसार, मतदान का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही मिल सकता है। आधार सिर्फ व्यक्ति की पहचान साबित करता है, उसकी नागरिकता नहीं। इसलिए इस प्रक्रिया को कानूनी दायरे में रखा जाएगा और सुप्रीम कोर्ट के सिविल के फैसले के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा।'

चुनाव आयोग और आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई के तकनीकी विशेषज्ञ जल्द ही इस पर काम शुरू करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया को साइबर सुरक्षा और डेटा प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए किया जाएगा,

एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने भूकम्प मॉक ड्रिल से किया राहत और बचाव का प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को बसुआपार स्थित डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के परिसर में आपदा से बचाव के लिये भूकम्प मॉक ड्रिल का प्रदर्शन कर बचाव की जानकारी दी गई। एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने टेबल टाक एक्सरसाइज, छत से घायलों को बचाने आदि का प्रदर्शन किया।

डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी के दिशा निर्देश के अनुरूप छात्रों और उपस्थित लोगों को आपदा की स्थिति में राहत और बचाव की विस्तार से जानकारी देने के साथ ही जवानों ने उसका व्यवहारिक प्रदर्शन किया। संस्थान के निदेशक डा. आलोक रंजन ने कहा कि भूकम्प मॉक ड्रिल से छात्रों ने बचाव के तरीके सीखे, निश्चित रूप से लोगों को संकट के समय इससे बहुत कुछ सीखने को मिला। डा. ए.के. कुशवाहा ने कहा कि यह पहल सराहनीय है। आपदा नियंत्रण विशेषज्ञ रंजीत ने बताया कि केन्द्र, राज्य सरकार, एन.डी.आर.एफ. के साथ ही 23 विभागों के संयुक्त प्रयास से भूकम्प मॉक ड्रिल के प्रदर्शन का

–संकट के समय उपयोगी है मॉक ड्रिल की जानकारी–डा. वी.के. वर्मा

उद्देश्य लोगों को आपदा की स्थिति में बचाव की जानकारी देना है।

कार्यक्रम में आपदा की स्थिति में बचाव, प्राथमिक उपचार, डमी द्वारा ऊंचे भवन से सुरक्षित निकालना, पल्स गिरने पर सीपीआर के माध्यम से जीवन रक्षा आदि की विस्तार से जानकारी दी गई। एन.डी.आर.एफ. के डिप्टी कमाण्डेन्ट अनिल कुमार पाल की देख रेख में मॉक ड्रिल सम्पन्न हुआ।

मुख्य रूप से अग्नि शमन अधिकारी रमेश चन्द्र यादव, चन्द्रमौलि, विनय सिंह, अंकित कुमार सिंह, शैलेष यादव, राहुल यादव, पवन कुमार गुप्ता, घनश्याम यादव, राधिका शर्मा, भूपेन्द्र वर्मा, राधिका शर्मा, वीरेन्द्र वर्मा, विनोद वर्मा, ओम प्रकाश मिश्र, शिव प्रसाद चौधरी, रामकृष्ण लाल 'जगमग' के साथ ही स्कूली छात्र और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

रेडक्रास पदाधिकारियों ने लिया सेवा की शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इण्डियन रेडक्रास सोसायटी के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। पण्डित अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी के निर्देश पर सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्साधिकारी राजीव निगम ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी रवीश कुमार गुप्ता ने दीप जलाकर किया।

उन्होंने रेडक्रास सोसायटी के महत्व पर प्रकाश डाला और पदाधिकारियों तथा सम्पूर्ण कार्यकारिणी को बधाई दिया और टीम भावना से कार्य करने का संदेश दिया। सोसायटी की नई कार्यकारिणी में शपथ ग्रहण करने वालों में डा. प्रमोद कुमार चौधरी ने सभापति, डा. एलके पाण्डेय ने उपसभापति, राजेश कुमार ओझा ने कोषाध्यक्ष, रंजीत श्रीवास्तव ने सचिव, संतोष सिंह कार्यकारिणी सदस्य/एजीएम, हरीश कुमार सिंह सदस्य राज्य प्रबंध समिति, राहुल श्रीवास्तव, इमरान अली, उमेश कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह ने ने कार्यकारिणी सदस्य पद की शपथ ली। इस अवसर पर डा. अजय मोहन रेडक्रास सोसायटी के अयोध्या मंडल प्रभारी ने सोसायटी के मूल उद्देश्यों, कार्य करने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान ने कहा कि अनुशासन और समाजसेवा रेडक्रास सोसायटी का प्राणवायु है। सभी पदाधिकारी एवं सदस्य एकजुट होकर समाजसेवा की भावना से कार्य करें। राजेश कुमार ओझा ने कहा रेडक्रास सोसायटी के पिछले कार्यकाल की जांच कराई जायेगी और सम्पूर्ण परिसम्पत्तियां तथा कोष प्राप्त किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी सदर ने कार्यकारणी को प्रमाण पत्र वितरित किया। अंत में आईएमए अध्यक्ष डा. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन मानवी सिंह ने किया। शपथ ग्रहण समारोह मे मजहर आजाद, सतेन्द्र दूबे, अमरेश पाण्डेय, आनंद राजपाल, मयंक श्रीवास्तव, राजेश पाल, फखरेयार हुसेन, अमन श्रीवास्तव, सूर्याश ओझा, डा. शिवांगी, डा. पूनम श्रीवास्तव, मुस्लिमा खातून, डा. मीना, डा. आरके त्रिपाठी, डा. अमित त्रिपाठी, डा. विवेक गौरव सचान, डा. अजीत कुशवाहा, डा. अजय वर्मा, सच्चिदानंद चौरसिया, राकेश मणि, मुनरूद्दीन अहमद, रणविजय सिंह, केके श्रीवास्तव, रमापति वर्मा, पवन चौधरी आदि मौजूद रहे।

11 विभागों के समन्वय से चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 30 अप्रैल तथा दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल 2025 तक संचालित किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने उक्त जानकारी दी। बैठक में उन्होंने कहा कि अभियान में नामित सभी विभाग आपसी समन्वय से चरणवार पूरी कार्यवाही सम्पन्न कराये। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आशा एवं आगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा जानकारी घर–घर पहुँचायी जायेगी।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान 11 विभागों द्वारा समन्वित प्रयास करके इन रोगों पर सफलतापूर्वक नियंत्रण के लिए कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग होगा, जो जनपद, तहसील, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर विभागीय अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करके अभियान संचालित करेगा। अभियान के दौरान बुखार, इन्फ्लुएन्जा लाइक इलनेश (आईएलआई), क्षय रोग तथा कुपोषित बच्चों के प्राप्त सूची के अनुसार रोगियों का उपचार किया जायेगा। विभाग द्वारा अभियान की मानीटरिंग, पर्यवेक्षण, रिपोर्टिंग, अभिलेखीकरण तथा विश्लेषण किया जायेगा।

उन्होंने अभियान से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित उत्तरदायित्व के अनुपालन में शिथिलता बर्दाश्त नही की जायेगी। समस्त संचालित गतिविधियों को ससमय प्रतिभागिता सुनिश्चित करते हुए पूरा करें। उन्होने कहा कि नगर पालिका एवं नगर पंचायते मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से संचारी रोगो के साथ–साथ शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, खुले में शौच न करना तथा मच्छरों के रोक–थाम के लिए जागरूकता के लिए कार्य करेंगी। खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था की जायेगी, फॉगिंग कराया जायेगा, झाड़ियों की सफाई करायी जायेगी। कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर साफ–सफाई, हाथ धोना, शौचालय की सफाई तथा जल निकासी की व्यवस्था, जलाशय एवं नालियों की सफाई, झाड़ियों की काट–छाट किया जायेगा तथा मैलाथियान से फॉगिंग करायी जायेगी। गाँव में कूड़ेदान की व्यवस्था करायी जायेगी। पशुपालन विभाग सूकर पालकों को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। सूअरबाड़ो पर वेक्टर नियंत्रण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करायेंगे। सूअरबाड़े आबादी से दूर स्थापित किए जायेंगे। सूअरबाडो की नियमित सफाई करायी जायेगी तथा कीटनाशक का छिड़काव किया जायेगा। सभी प्रकार के पशुबाड़ो की स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा मच्छररोधी जाली के प्रयोग के लिए पशुपालको को प्रेरित किया जायेगा।

उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय एवं तालमेल से अभियान का संचालन करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, सीएमओ डॉ. राजीव निगम, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, बीएसए अनूप तिवारी, सभी एमओआईसी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय एकमा के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को विकास खंड बनकटी के प्राथमिक विद्यालय एकमा में विद्यालय वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा अतिथियों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी बनकटी अरुण कुमार यादव ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि वार्षिक उत्सव मनोरंजन नहीं वरन अभिव्यक्ति का अवसर है। अध्यक्षता उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बिकास खंड बनकटी के संरक्षक सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी ने किया। संचालन करते हुए एआरपी राकेश कुमार मिश्र 'राही' ने बेसिक शिक्षा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी, बी.पी. लहरी, राघव प्रसाद चतुर्वेदी ध्रुव नारायण दुबे, महेन्द्र सिंह, नवीन चौधरी, अवनीश चौरसिया, मुकेश कुमार, इन्द्रजीत चौधरी, गुड्डु शुक्ला, प्रमोद चौधरी ने कहा कि वार्षिक उत्सव से छात्र अपनी कला, संस्कृति से जुड़ते हैं।

कक्षा 5 की छात्रा रानी, सोनिया, रवीना, राधिका, गुंजा द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक नेता अभय सिंह यादव ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि पूरा प्रयास होता है कि छात्रों का समग्र विकास का अवसर और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले। सहायक अध्यापक मारकण्डेय मिश्र, आशा त्रिपाठी, उमेश चंद तिवारी ने अतिथियों को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। बच्चों के साथ अभिभावक प्रकाश चंद्र शर्मा, बहराइची प्रसाद, तितला देवी, गिरिजा देवी, अदालती के साथ अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 मार्च 2025 बुधवार

सम्पादकीय

प्रदूषित होती नदियां

नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं– पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नदियाँ भी अत्यधिक खतरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंध), और कावेरी जैसी नदियों को देवी–देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन–ब–दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। घरेलू और औद्योगिक गंदा पानी बहकर जाता है, जलवायु नियंत्रण में मदद करती हैं। नदियां प्राकृतिक संपदा हैं। नदियां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रमुख स्रोत हैं, जिनके किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। नदियों के किनारे ही कई प्रमुख शहर, शैक्षिक और पर्यटन से जुड़े शहर बसे हैं। नदियों की साफ–सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये।आधुनिक शोधों से भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। जिस गंगा का इतना महत्व है, उपयोगिता है तो फिर क्यों उसके प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता बरती जाती रही है यह चिन्ताजनक है। इस परिदृश्य को मिलकर बदलना होगा।

आतंकवाद की गिरफ्त में उलझा पाकिस्तान

—सुनील कुमार महला—

भारत के पड़ोसी पाकिस्तान के हालात बहुत ही बुरे हैं। हाल ही में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान में क्वेटा से पेशावर जा रही जफर एक्सप्रेस ट्रेन को भारी गोलीबारी कर अपने कब्जे में ले लिया। बीएलए ने ट्रेन पर हमले और उसके बाद सेना के साथ मुठभेड़ में 30 पाकिस्तानी सैनिकों को मार डालने का दावा किया है। 214 लोगों के कब्जे में होने का दावा करते हुए बीएलए ने यह चेतावनी दी कि यदि सेना ने बंधकों को छुड़ाने की कोशिश की तो सभी को मार दिया जाएगा। इन बंधकों में सेना के जवान, अर्द्धसैनिक बल, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल हैं। हालांकि, पुलिस ने सिर्फ 35 लोगों के बंधक होने की बात मानी है।इसी बीच, पाकिस्तानी सेना ने 13 बलोच लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। वास्तव में,बीएलए ने पाकिस्तान की जेल में बंद बलूच कैदियों की रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित बोलन स्टेशन पर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के अलगाववादियों द्वारा जफर एक्सप्रेस ट्रेन को अगवा करने और लगभग 180–190 यात्रियों को बंधक बनाने की खबर दहलाने वाली है।यह आलेख लिखे जाने तक यह भी खबरें आ रही हैं कि बलूचों ने पाक के सौ सुरक्षा कर्मियों को मार गिराया है। यह भी खबरें आ रही हैं कि जाफर एक्सप्रेस को हाइजैक करने वाले हथियारबंद तीस बलूचों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है। इधर, सरकारी मीडिया रेडियो पाकिस्तान के हवाले से यह खबरें भी आई हैं कि आपरेशन खत्म हो चुका है और सारे विद्रोही मारे जा चुके हैं। वहीं बलूचों ने यह अल्टीमेटम दिया बताते हैं कि बीस घंटे ही बचे हैं और सैन्य कार्रवाई पर वे सभी बंधकों को मौत के घाट उतार देंगे।सैन्य सूत्रों ने दावा किया है कि 190 यात्रियों को मुक्त कराया जा चुका है और तीस घायलों को अस्पताल में भरती कराया गया है। अब वास्तव में क्या सच है और क्या झूठ है,यह तो समय आने पर ही पता चल पाएगा लेकिन यह एक कटु सत्य है कि पाकिस्तान में जो भी हो रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने ट्रेन हाईजैक की निंदा करते हुए कहा कि बंधकों को तत्काल मुक्त करना चाहिए। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि हम आतंकवाद से लोगों की रक्षा करने में पाकिस्तान का पूरी तरह से समर्थन जारी रखेंगे। हाल फिलहाल जो घटना हुई है,यह आर्थिक रूप से खस्ताहाल पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्थाओं और उसकी खिसरती पर अनेक प्रकार के सवालिया निशान पैदा करती है।

यह घटना दर्शाती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ तो है ही, साथ ही साथ पाकिस्तान दिन–ब–दिन अराजकता और असंतोष की तरफ बढ़ता चला जा रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि बलूचिस्तान से गुजरने वाली जफर एक्सप्रेस पर यह कोई पहला हमला नहीं है। वास्तव में यह वह ट्रेन है, जिसमें अक्सर सरकारी कर्मचारी, सैनिक और अधिकारी वगैरह यात्रा करते हैं और बीएलए ही इस पर हमेशा नजर रहती है।सच तो यह है कि बीएलए पिछले कई सालों से पाकिस्तान पर ऐसे हमले करता रहा है। उसने कभी चीन के इंजीनियर को निशाना बनाया तो वह कभी पाकिस्तान के राजनयिकों को निशाना बनाता है। उल्लेखनीय है कि बीएलए अफगानिस्तान के दक्षिणी हिस्से में सक्रिय एक बलूच राष्ट्रवादी चरमपंथी संगठन है जिसका उद्देश्य बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग कर स्वतंत्र राष्ट्र बनाना है।

कहना गलत नहीं होगा कि बलूचिस्तान में अलगाववाद अपने चरम पर है। दरअसल, पाकिस्तानी शासन के दमन और राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेले जाने का नतीजा ही है कि बलूचिस्तान में लोग अलगाववाद में लिप्त हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगे हुए खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र बलूचिस्तान में बीजिंग ने ग्वादर बंदरगाह और अन्य परियोजनाओं में निवेश किया है।कहना गलत नहीं होगा कि पिछले कुछ वर्षों में कई बलूच अलगाववादी समूह उभरकर आए हैं, जो लगातार पाकिस्तानी सेना के खिलाफ राजनीतिक हिंसा को अंजाम दे रहे हैं।बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सहित इन समूहों का टारगेट बलूचिस्तान के लिए पूर्ण स्वतंत्रता हासिल करना है। गौरतलब है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे बड़ा बलूच अलगाववादी समूह है और यह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग करते हुए दशकों से पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) या बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी खुद को बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाला सशस्त्र समूह है। यह बलूचिस्तान में सक्रिय सबसे पुराना अलगाववादी समूह भी है। यह संगठन पहली बार 1970 के दशक में सामने आया था।

बलूचिस्तान के महत्व की यदि हम बात करें तो बलूचिस्तान चीन के 60 अरब डालर के निवेश (सीपीईसी) का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां रेको डिक जैसे खनन प्रोजेक्ट शामिल हैं जिन्हें दुनिया की सबसे बड़ी स्वर्ण और तांबा खदान माना जाता है। यह प्रांत अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं से जूझ रहा है। बलूचों ने जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार के समय बलूचिस्तान सूबे में सशस्त्र विद्रोह शुरू किया, लेकिन सैन्य तानशाह जियाउल हक की सत्ता पर कब्जे के बाद बलूच नेताओं के साथ हुई वार्ता के बाद उन्होंने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम कर लिया था, लेकिन बीएलए एक बार फिर से जिंदा हो गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में कारगिल युद्ध के बाद तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके बाद मुशर्रफ के इशारे पर वर्ष 2000 में बलूचिस्तान हाईकोर्ट के जस्टिस नवाब मिरी की हत्या कर दी गई। पाकिस्तानी सेना ने मुशर्रफ के कहने पर इस केस में बलूच नेता खैर बक्श मिरी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद से बलूच लिबरेशन आर्मी एक बार फिर सक्रिय हो गई।

आज की बलूच लिबरेशन आर्मी की आधिकारिक स्थापना 2020 में हुई थी। इसके बाद से बलूच लिबरेशन आर्मी ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में सरकारी प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों पर हमला करना शुरू कर दिया। इस समूह में शामिल ज्यादातर लगाक मैरी और बुगती जनजाति से थे। ये जनजातियां क्षेत्रीय स्वायत्तता पाने के लिए अब भी पाकिस्तान सरकार से लड़ रही हैं। संक्षेप में कहें तो, भारत और पाकिस्तान के अलगाव के बाद वर्ष 1948 से ही बलूचों के लिए एक अलग देश की मांग के साथ विद्रोह की शुरुआत हो गई थी। यह संघर्ष 1950 से 1970 के दशकों तक कई चरणों में चला। वर्ष 2003 में परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल के दौरान विद्रोही गतिविधियां काफी बढ़ गईं और उन्होंने बलूची विद्रोहियों के विरुद्ध कई अभियान चलाए। बलूचों द्वारा उनके शोषण और मानवाधिकारों के हनन की शिकायत की जाती रही है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीएलए को पाकिस्तान, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश 'आतंकवादी संगठन' मानते हैं। बीएलए सुरक्षा बलों, विभिन्न सरकारी इमारतों, चीनी सेना और उसके वर्कर्स को टारगेट करके हमले करता रहा है। चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच बीएलए ने सुसाइड अटैक, बड़े हमलों को अंजाम दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि मजीद ब्रिगेड को बीएलए का सुसाइड स्क्वाड माना जाता है जो कई हाई–प्रोफाइल हमलों जैसे कि वर्ष 2018 में कराची में चीनी दूतावास पर हमले और वर्ष 2019 में ग्वादर में एक लग्जरी होटल पर हमले में शामिल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से एक बहुत ही समृद्ध प्रांत है और उसकी लड़ाई इस बात को लेकर है कि पाकिस्तान उसके संसाधनों का लगातार दोहन करता है। इससे बलूचिस्तान के स्थानीय लोगों को इससे कोई फायदा नहीं मिलता है। पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ बीएलए पिछले करीब 60–70 सालों से लड़ रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने वर्ष 2006 में ही बीएलए पर प्रतिबंध लगा दिया था। बहरहाल, बीएलए या यूं कहें कि बलूचों की पहली और सबसे बड़ी मांग ये है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तान की किसी भी एजेंसी या सुरक्षा एजेंसी के कोई भी नुमाइंदे वहां नहीं होने चाहिए। इसके अलावा बलूचों का यह भी मानना है कि चीन के साथ सीपीईसी प्रोजेक्ट चल रहे हैं, और इन प्रोजेक्टों से उनके खनिजों का लगातार दोहन हो रहा है। उनका यह मानना है कि इन प्रोजेक्टस की वजह से बड़ी संख्या में समुदाय के लोग विस्थापित हुए हैं। वास्तव में, बलूच लोग इन प्रोजेक्टस के यहां से हटाने की लगातार कई सालों से मांग कर रहे हैं।

बहरहाल,आईएमएफ के कर्ज के बोझ तले पाकिस्तान आर्थिक बदहाली से तो जूझ ही रहा है, वैश्विक आतंकवाद सूचकांक की 2025 की रिपोर्ट में भी उसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आतंक प्रभावित देश बताया गया था। आंकड़े यह भी बताते है कि वर्ष 2024 में पाकिस्तान में आतंकी हमलों में 1,600 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जो पिछले एक दशक में सर्वाधिक मौतों वाला वर्ष भी है।सच तो यह है कि पाकिस्तान आतंकवाद का एक बड़ा गढ़ रहा है और आज भी है और यही आतंकवाद उसके गले की फांस बना हुआ है। इन हालातों के बीच पाकिस्तान में हाल ही में आयोजित आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी सुरक्षित ढंग से निपट गई, यह अच्छी बात है।

आज जरूरत इस बात की है अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान में ऐसी घटनाओं पर पूरी नजर और सतर्कता बरते, क्यों कि यह कभी भी पूरे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक बड़ा व गंभीर खतरा बनकर उभर सकता है। पाकिस्तान की अक्सर यह आदत रही है कि जब कभी भी उसके देश के अंदर ऐसी घटनाएं घटित होती हैं तो वह दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए भारत विरोधी सुर अलापने लगता है, ऐसे में भारत के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वह पूरी सतर्कता के साथ पूरे घटनाक्रम पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए रखे।

प्लास्टिक कचरा से कैसे मिले मुक्ति

—पंकज चतुर्वेदी—

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के स्थानीय निकायों से ठोस कूड़े के निष्पादन में कोताही पर सवाल उठाया है, जबकि यह समस्या पूरे देश में फैली हुई है। हर दिन छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक ठोस कूड़े का पहाड़ बढ़ रहा है, जो धरती, पानी और हवा को प्रदूषित करता है। कूड़े का एक बड़ा हिस्सा प्लास्टिक का है, जो अब हमारे तंत्र और स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन चुका है। यह वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गई है। यह प्लास्टिक अति सूक्ष्म रूप में हमारे समूचे तंत्र की रक्त शिराओं से लेकर सांस तक के लिए संकट बन चुकी है।

विशाखापत्तनम से बस्तर जाने वाले रास्ते पर स्थित कोरापुट एक छोटा–सा कस्बा है, जो चारों ओर पहाड़ों और हरियाली से घिरा हुआ है। लेकिन जैसे ही शहर की सीमा समाप्त होती है, ऊंचाई के घाट पर प्लास्टिक की पन्नियां, पानी की बोतलें और नमकीन–चिप्स के पैकेजिंग उड़ते हुए दिखाई देते हैं। बरसात के दौरान ये कूड़ा धीरे–धीरे जमीन और खेतों में समाहित हो जाता है, जिससे पर्यावरण और इंसान की जीवनरेखा पर नकारात्मक असर पड़ता है।

कोरापुट तो सिर्फ एक उदाहरण है, शहरी, कस्बे और गांवों के नाम बदलते रहें, लेकिन सड़कों के किनारे नैसर्गिक हरियाली और पहाड़ अब धीरे–धीरे प्लास्टिक कचरे से ढकते जा रहे हैं। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप कुछ समाधान ला सकता है, लेकिन मोदीनगर या पलवल जैसे स्थानों पर कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, जो इस समस्या की गंभीरता को समझे और उस पर कार्रवाई करे।

वर्ष 2014 में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान शौचालय और कचरे के प्रति आम लोगों को जागरूक करने में सफल रहा, लेकिन आंकड़ों पर गौर करें तो यह स्पष्ट होता है कि

कचरे का उत्पादन तो कम हुआ नहीं, बल्कि उसका निपटान भी प्रभावी तरीके से नहीं हो पा रहा है। हमने कोई ऐसा ठोस कदम या विधान विकसित नहीं किया है, जिससे कचरा कम हो और उसका नियमित, कारगर निपटान हो। जनवरी, 2019 में केंद्र सरकार ने 'सिंगल–यूज प्लास्टिक' पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन हाल ही में संसद में पेश किए गए आंकड़े भयावह हैं। देश में हर साल 41.36 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो रहा है और तमिलनाडु सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करने वाला राज्य है।

तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में प्लास्टिक कचरे की पुनर्चक्रण क्षमता 11.5 लाख टन प्रति वर्ष है, लेकिन इसका केवल 33 प्रतिशत ही वास्तविक रूप से उपयोग हो सका। इसका मतलब है कि अधिकांश कचरा यूं ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में समाहित हो गया। दिल्ली में इस दौरान 4.03 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ, जबकि तेलंगाना दूसरे स्थान पर रहा, जहां 5.28 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार ने प्लास्टिक कचरे पर पाबंदी लगा रखी है, लेकिन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि यह पाबंदी केवल कागजों तक सीमित है और वास्तविकता में कुछ भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

संसद में यह भी बताया गया कि देशभर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों (पीडब्ल्यूएमयू) की संख्या केवल 978 है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण में यह प्रावधान है कि प्रत्येक ब्लॉक में पीडब्ल्यूएमयू स्थापित किए जाएं, और इसके लिए केंद्र सरकार 16 लाख रुपये की राशि मुहैया कराएगी। हालांकि, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत कचरे के संग्रहण और परिवहन के लिए स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन इनके पास न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही बजट। परिणामस्वरूप, छोटे कस्बों की बात तो छोड़ें, नगर निगम स्तर पर भी इस दिशा में प्रभावी कार्य नहीं हो पा रहा है।

यह उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक उत्पादन मुख्य रूप से कच्चे तेल, गैस या कोयले से होता है, और कुल प्लास्टिक का लगभग 40 प्रतिशत एक बार इस्तेमाल करने के बाद फेंक दिया जाता है। पानी की बोतलें, खाने की चीजों के पैपर, पॉलिथीन बैग जैसे उत्पाद हमारे पास कुछ घंटों के लिए होते हैं, लेकिन फिर ये सैकड़ों वर्षों तक पर्यावरण में बने रहते हैं। यह लावारिस प्लास्टिक समुद्र, सूर्य की किरणों, हवा और लहरों के संपर्क में आकर छोटे टुकड़ों में टूट जाता है, जो एक इंच के पांचवें हिस्से से भी छोटे होते हैं। ये माइक्रोप्लास्टिक कण अब इंसान के फेफड़ों से लेकर मछली, फल–सब्जियों में मिल रहे हैं।

गड़करी का बयान और जातिवाद

—संतोष पाठक—

बेबाक अंदाज में अपनी बात कहने के लिए मशहूर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर से जातिवाद को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। देश में जाति, धर्म और भाषा के नाम पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच नितिन गडकरी ने अपने ताजा बयान से सबको आईना दिखाने की कोशिश की है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर स्थित 'सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' में आयोजित दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए एक बार फिर से जाति की बात करने वालों को कसके लात मारने की बात कही है। गडकरी ने जोर देते हुए कहा कि, फैसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने आगे कहा, 'जो करेगा जात की बात, उसको कसके मारूंगा लात''।

इस देश की राजनीति की विडंबना देखिए कि, यहां अब शायद ही कोई ऐसा राजनीतिक दल बचा है जो चुनावी रणनीति बनाते समय जातिगत समीकरण को ध्यान में ना रखता हो। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि उम्मीदवारों को टिकट देते समय भी सबसे ज्यादा स्थाल क्षेत्र के जातिगत समीकरणों का ही रखा जाता है। यह हालत सिर्फ सांसदों या विधायकों के चुनाव में ही दिखाई नहीं देता है बल्कि वार्ड मेंबर से लेकर पंचायत चुनाव तक राजनीतिक दल जातीय समीकरण और गणित का ध्यान रखते हुए ही उम्मीदवार तय करते हैं।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सहित अन्य कई विपक्षी दलों के नेता बार–बार जाति जनगणना का राग अलाप रहे हैं। जाति आधारित जनगणना कई राज्यों में राजनीति और चुनाव का बड़ा मुद्दा बन चुका है और आने वाले दिनों में कई राज्यों में इसी मसले पर विधानसभा का चुनाव भी होने जा रहा है। देश के राजनीतिक दलों ने जातिवाद का बीज इतने गहरे तक बो दिया है कि उम्मीदवारों की लिस्ट तो छोड़िए, अब पार्टी पदाधिकारियों की घोषणा करते समय भी उनकी जाति खासतौर से बताई जाने लगी है। देश के राजनीतिक दल बड़े ही गर्व से यह बताते नजर आते हैं कि उन्होंने किस जाति के कितने नेताओं को पार्टी की राष्ट्रीय टीम में जगह दी है।

जातिवाद का यह जहर, देश को अंदर से खोखला करता जा रहा है। लेकिन क्या इसके लिए सिर्फ देश के नेता ही जिम्मेदार है? बिल्कुल नहीं, जाति देखकर वोट करने वाले मतदाता भी इसके लिए उतने ही जिम्मेदार है।

ऐसे माहौल में नितिन गडकरी जैसे बड़े कद के नेता का बार–बार जातिवाद के खिलाफ बयान देना अपने आप में एक बड़ा और महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश माना जा सकता है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल तो यही उठ रहा है कि सड़कों के निर्माण के मामले में सदन के अंदर से लेकर बाहर तक नितिन गडकरी के कामकाज की तारीफ करने वाले केंद्रीय मंत्री, सांसद, मुख्यमंत्री, विधायक, एमएलसी, मेयर, पार्षद, मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधि क्या गडकरी की सलाह मानेंगे? क्या इस देश के तमाम जनप्रतिनिधियों में इतनी हिम्मत है कि वे भी गडकरी की तरह जाति की बात करने वाले लोगों को कस के लात मारने की बात सार्वजनिक तौर पर खुले मंच से कह पाए? शायद नहीं, क्योंकि जब जाति का राग अलापने से सबको फायदा हो रहा है तो फिर बिल्ली के गले मे घंटी कौन बांधना चाहेगा?

जातिवाद का यह जहर, देश को अंदर से खोखला करता जा रहा है। लेकिन क्या इसके लिए सिर्फ देश के नेता ही जिम्मेदार है? बिल्कुल नहीं, जाति देखकर वोट करने वाले मतदाता भी इसके लिए उतने ही जिम्मेदार है। वास्तव में, जब तक देश की जनता जातिवाद से बाहर निकल कर जातियों की राजनीति करने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों को सबक सिखाना शुरू नहीं करेगी , तब तक भारत की जनता को इस जहर से छुटकारा नहीं मिलने जा रहा है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

सभी देशवासियों को मिलकर बनाना होगा विकसित भारत –आनंदीबेन पटेल

संवाददाता–कुशीनगर। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकसित भारत बनाने में हर देशवासी को अपना योगदान देना होगा। जो जिस रूप में सेवा कार्य कर रहा है, उसे उसी रूप में अपना उत्कृष्ट योगदान देना होगा। आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। उन्हें बचपन से संभालना, सिखाना और उत्कृष्ट नागरिक बनाने को सरकार की कई योजनाएं चल रही हैं। जिस तरह किसान फसल बोने से पहले धरती को तैयार करता है, उसी तरह बच्चे को भी तैयार करना होता है। गर्भ में बच्चे को आकार लेने के समय से उसकी देखभाल करनी चाहिए। स्वस्थ बच्चे के जन्म से लेकर उसे योग्य नागरिक बनाने तक उसकी देखभाल करनी होती है। हमारे अस्पताल इसी लिए हैं। चिकित्सा अधिकारी को इसे समय समय पर अस्पतालों को चेक करते रहना चाहिए।

राज्यपाल मंगलवार को कुशीनगर के जिला मुख्यालय पडरौना में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों में संसाधन किट वितरण के बाद समारोह को संबोधित कर रही थीं। आंगनबाड़ी के नन्हें मुन्नों बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बेटा व बेटी में कोई भेद नहीं होना चाहिए। सफाई बेहद जरूरी है। आगनबाड़ी कार्यकर्तियों को सफाई किट का वितरण करने के बाद उन्होंने कहा कि इसका सही इस्तेल करना चाहिए। बताया कि किट में रुमाल, सोफ्रामाइशीन, डिटॉल, नेल कटर, शीशा, कंघी से लेकर सुई धागा व बटन आदि भी मौजूद हैं। कार्यकत्री को केन्द्र पर आने वाले बच्चों को शीशे में चेहरा दिखाना चाहिए। इसके बाद उसके बाल संवारने चाहिए। शर्ट पैंट आदि के बटन टूटे हों तो खुद लगा देना चाहिए। इसमें किसी को शर्म नहीं आनी चाहिए। सप्ताह में एक बार जरूर नेलकटर से उसके नाखून काट देने चाहिए। आस पास सफाई रखनी चाहिए। नाखून में गंदगी से बीमारियां फैलती हैं। आगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों में सफाई रहेगी तो इसका असर उसके परिवार पर भी पड़ेगा। कोई बच्चा बहुत तेज होता है, कुछ धीरे धीरे सीखते हैं। हमें बच्चों का मानसिक स्तर समझकर, उसी मुताबिक देखभाल करनी चहिए। आंगनबाड़ी कार्यकत्री का यही काम है।

जिले के 250 केन्द्रों के लिए संसाधन किट का वितरण करने के बाद उन्होंने कहा कि करीब चालीस साल से आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित होते हैं मगर पहले की सरकारों ने केन्द्रों पर संसाधन के लिए कुछ नहीं किया। अब कोशिश हो रही है तो धीरे धीरे सभी केन्द्र संसाधनों से युक्त हो जाएंगे। यूपी में अब तक 30 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्र संसाधनों से युक्त हो चुके हैं। जो नये केन्द्र बन रहे हैं, उनमें बच्चों के इस्तेमाल के लायक पानी की टंकी व शौचालय आदि बनाना होगा। ताकि बच्चे खुद अपने काम व सफाई आदि सीख जाएं।

इससे पहले राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों को संसाधन किट, मुसहरों को आवासीय जमीन का पट्टा प्रमाण पत्र, ओडीओपी का टूलकिट, सीएम युवा उद्यमियों को पांच पांच लाख का चेक, समूहों की महिलाओं को डेमो चेक, सफाईकर्मियों को स्वच्छता किट आदि का वितरण किया। मुसहरों को समाज की मुख्यधारा में लाने के सरकार के प्रयासों की सराहना की और अफसरों को नसीहत दी कि जब तक मकान न बन जाए, तब तक ठीक से निगरानी करनी चाहिए। घर बन जाने के बाद बिजली कनेक्शन, उज्ज्वला गैस आदि की व्यवस्था करनी चाहिए। उनके बच्चों को स्कूल व रोजगार से भी जोड़ना चाहिए। जरूरी समझें तो उनके लिए अलग से आवासीय सुविधा वाले स्कूल की भी व्यवस्था करें। राज्यपाल ने कहा कि बेटियों को कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी किट लगवानी चाहिए। बारह सौ रुपये की एक वैक्सीन लगती है। दो वैक्सीन लगानी चाहिए। सभी लोगों को इसके लिए मिलकर प्रयास होगा। गोरखपुर विवि की वीसी की अपील पर दो हजार बेटियों को यह वैक्सीन लगी है। जो भी सक्षम है, उसे बेटियों को गोद लेकर इसे लगवाना चाहिए। दहेज के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए। बेटी बचाओ अभियान को सफल बनाना है तो उन्हें 9 से 14 साल के उम्र में वैक्सीन लगवानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि हर जिले में नयी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों की भर्ती हो रही है। कुशीनगर में भी भर्ती हो रही है। यह सभी काफी पढ़ी लिखी हैं। उन्हें तीन का प्रशिक्षण देकर बाल मनोविज्ञान सिखाइए। इसके बाद उन्हें केन्द्रों पर भेजिए ताकि वह बच्चों के मनोविज्ञान को समझ कर उसी अनुसार व्यवहार करें। इससे बच्चों का समुचित विकास होगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान सफाई संबंधी गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर रहे बच्चों की तरीफ करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस गीत को पूरे नगर पालिका में सुनवाइए। इसमें बच्चे बता रहे हैं कि कूड़ा कचरा साफ करिए। इसमें शर्म नहीं होनी चाहिए। बड़े नहीं करेंगे तो बच्चे यह काम करेंगे मगर इसमें बच्चों के बीमार होने का खतरा रहेगा। सफाई जीवन में अति अवश्यक है। राज्यपाल ने बार्डर के जिलों में ड्रग्स के कारोबार पर चिंता जताई। कहा कि खुली सीमा का लाभ लेकर कुछ ड्रग्स कारोबारी बच्चों तक इस काम में लगा देते हैं। पुलिस को इस पर विशेष ध्यान देकर इसे रोकना होगा। वरना यह हमारे युवा धन को बर्बाद कर देगा। एक बार युवा इसके चक्कर में पड़ गया तो उसका जीवन बर्बाद हो जाता है।

तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत, आरोपी कार छोड़कर फरार

संवाददाता–गोण्डा। मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हादसा नवाबगंज थाना क्षेत्र के गोंडा–अयोध्या मार्ग स्थित नंदिनीनगर महाविद्यालय के पास हुआ। थाना क्षेत्र के ही कनकपुर निवासी लालजी का बेटा विकास कुमार (18) डीजे का काम करता था। सोमवार देर रात काम से वापस लौटा था। सुबह करीब 7 बजे फेर अपने साथियों को नवाबगंज लेकर गया था। वहां से वापस लौटते समय महाविद्यालय के पास एसयूवी ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से उसे सीएचसी पहुंचाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है।

डॉक्टरों के अनुसार, विकास के सिर पर गंभीर चोटें आने से अत्याधिक खून बह गया था। इस कारण मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि आरोपी चालक एसयूवी छोड़कर फरार हो गया है। कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

विकास की मौत के बाद मां रीता देवी बेसुध हो गईं। पिता लालजी का रो–रोकर बुरा हाल है। विकास अपने तीन भाई व चार बहनों में तीसरे नंबर का था। बहनों की शादी हो चुकी है। वहीं मां–पिता व भाइयों के साथ रहता था। पिता ओंटो चलाकर परिवार का भरण–पोषण कर रहे हैं।

युवा उद्यमियों को दिया गया चेक और गंगाजल

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में एक कार्यक्रम का आयोजन करके लोगों को गंगाजल वितरित किया गया। इसके साथ ही युवा उद्यमियों को डमी चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार आबकारी एवं मद्य निषेध नितिन अग्रवाल रहे। श्रावस्ती पहुंचने पर प्रभारी मंत्री का अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पाण्डेय, सदस्य विधान परिषद डा प्रज्ञा त्रिपाठी, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने स्वागत किया। इस दौरान महाकुंभ से संबंधित एक लघु फिल्म भी दिखाई गयी। इसके साथ ही प्रभारी मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को गंगाजल का वितरण किया। इसके साथ ही 10 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, 10 क्षयरोगियों को पोषण किट एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के 10 लाभार्थियों को डमी चेक वितरित किया। इसके साथ ही मंत्री ने नगर पालिका परिषद भिनगा के वार्ड संख्या–08 गौतमबुद्ध स्थित कान्हा गौशाला के निर्माण कार्य एवं पटेल तिराहे पर रोटरी के निर्माण कार्य का शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया गया।

इस मौके पर मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है। जो श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान करने नहीं पहुंच सके थे। उनके लिए यह गंगाजल वितरण अभियान विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि गंगाजल केवल जल नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों की आस्था, पवित्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है, जो 144 वर्ष बाद प्रयागराज महाकुम्भ के रूप में आयोजित हुआ है। इस गंगाजल को अपने घर लाकर श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन और अन्य आध्यात्मिक कार्यों में उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, एमएलसी, जिलाध्यक्ष एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान फायर ब्रिगेड एवं अन्य माध्यमों से लाए गए गंगाजल का श्रद्धालुओं में निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय ने किया।

इस अवसर पर सीडीओ अनुभव सिंह,अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, जिला महामंत्री रमन सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुभाष सत्या, जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति, आशुतोष पाण्डेय, रणवीर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जन समुदाय के लोग मौजूद रहे।

महाकुंभ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता–बलरामपुर। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय और महाराजा लाल कुंवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महाकुंभ 2025 के महत्व पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा मुख्य अतिथि थे। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. रवि शंकर सिंह ने कहा कि महाकुंभ सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। यह सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। कुंभ पर्व प्रकृति और जीव तत्व से सामंजस्य स्थापित करता है। मुख्य वक्ता प्रो. शर्मा ने महाकुंभ को वसुधैव कुटुंबकम का साकार रूप बताया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 45 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में 66 करोड़ सनातनी शांतिपूर्वक स्नान करते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. जेपी पांडेय ने कुंभ को आस्था और संस्कृतियों के मिलन का पर्व बताया। कार्यक्रम में संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी ने आभार व्यक्त किया। एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. देवेंद्र कुमार चौहान ने कार्यक्रम का संचालन किया। विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ प्रोफेसर, शिक्षक और शोधार्थी उपस्थित रहे। भारत सनातनियों की धरती है। सभी को समन्वित ,धैर्य व धार्मिक जागरण ही सनातन परंपरा है। प्रो. शर्मा ने सनातन संस्कृति के 10 गुणों की विस्तृत महत्व पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आस्था, विश्वास, सौहार्द एवं संस्कृतियों के मिलन का पर्व है "कुम्भ"। ज्ञान, चेतना और उसका परस्पर मंथन कुम्भ मेले का दो आयाम है जो आदि काल से ही हिन्दू धर्मावलम्बियों की जागृत चेतना को बिना किसी आमन्त्रण के खींच कर ले आता है। कुम्भ पर्व किसी इतिहास निर्माण के दृष्टिकोण से नहीं शुरू हुआ था। अपितु इसका इतिहास समय द्वारा स्वयं ही बना दिया गया। वैसे भी धार्मिक परम्पराएं हमेशा आस्था एवं विश्वास के आधार पर टिकती हैं न कि इतिहास पर। यह कहा जा सकता है कि कुम्भ जैसा विशालतम् मेला संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए ही आयोजित होता है।

हर साल चार बार लगेगा मतदाता बनाने का कैंप

संवाददाता–श्रावस्ती। बूथ लेबल एजेंट नियुक्त करने के लिए मंगलवार को एडीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान बताया कि अब हर साल एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर को कैंप लगा कर मतदाता बनाया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के बैठक में बूथ लेवल एजेण्ट नियुक्त किए जाने की बैठक की गई। बैठक में एडीएम ने कहा कि विधान सभा क्षेत्र 289–भिनगा में 399 मतदेय स्थल तथा 290–श्रावस्ती में 446 मतदेय स्थल हैं। इस प्रकार कुल 845 मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल एजेण्ट नियुक्त करते हुए एक प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व दूसरी प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक वर्ष चार 01 जनवरी 01 अप्रैल, 01 जुलाई, तथा 01 अक्टूबर को मतदाता बनाने का कैंप लगाया जाएगा। जिसमें नए मतदाता बनाए जाएंगे। इस मौके पर जिला महामंत्री भाजपा रमन सिंह, जिलाध्यक्ष सपा सर्वजीत यादव, जिलाध्यक्ष बसपा राजेश कुमार गौतम, जिला महासचिव कांग्रेस चन्द्रपाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक इम्तियाज अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री पलटू दास जी का अखाड़ा के महंत बने धर्मेंद्र दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। सिद्ध पीठ श्री पलटू दास का अखाड़ा में भंडारा के अवसर पर भरत दास महाराज उर्फ भंडारी बाबा काका गुरु के अध्यक्षता में यहां के परंपरागत शिष्य धर्मेंद्र दास शास्त्री को अयोध्या के संतों वा महंतों के द्वारा महंत सर्वराहाकार नियुक्त किया गया कण्ठी चादर देकर इस मौके पर प्रमुख रूप से श्री मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, सियाराम किला पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण,हनुमानगढ़ी के सचिव अखाड़ा परिषद के महंत सत्यदेव दास महाराज हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास महाराज हनुमानगढ़ी के महंत बलराम दास, तेरह भाई त्यागी के महंत बृजमोहन दास महाराज,तुलसी छावनी के महंत जनार्दन दास पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, बड़े हनुमान मंदिर के महंत छविराम दास,हनुमानगढ़ी के महंत रामकुमार दास,बड़ी कुटिया के महंत गणेश दास, श्रृंगार कुंज के महंत हरि भजन दास, सुरसरि मंदिर के महंत अवध रामदास, महंत प्रभु दास उर्फ मामा दास, आनंद दास सतगुरु कुटी के महंत अवध किशोर शरण, वेदांती कुटी के महंत अमित कुमार दास, नागा राम लखन दास, महंत आकाश शरण, आचार्य पंकज दास बजरंगदास हनुमानगढ़ी, भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय भाजपा के जिला महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव जिला महामंत्री परमानंद मिश्रा, शैलेंद्र कोड़ी एवं सैकड़ो संत महंत भक्त इस मौके पर आए हुए सभीअतिथियों का स्वागत सत्कार पलटू अखाड़ा के महंत धर्मेंद्र दास के कृपा पात्र शिष्य अधिकारी मनीष दास उर्फ मुन्ना दास, श्री लक्ष्मणकिला के अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण , सियाराम किला के प्रहलाद शरण ,फौजी मुकेश तिवारी मंडल महामंत्री आचार्य सदाशिव तिवारी राम अजोर वर्मा मनसाराम वर्मा गुरु शरण यादव फूलचंद यादव धनश्याम वर्मा श्रवण कुमार शुक्ला हेमंत शुक्ला संतोष पाठक अमित वर्मा आदि न किया। इस अवसर पर सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल

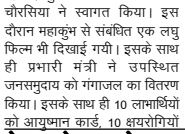

संवाददाता–गोण्डा। आदर रेलवे स्टेशन गोंडा पर कार्यरत ढेका सफाई कर्मचारियों ने फरवरी माह का मानदेय न मिलने और वेतन में अवैध कटौती के विरोध में सोमवार से कार्य बहिष्कार कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि प्रतिमाह उनके खाते में 12,000 मानदेय आता है, लेकिन सफाई मैनेजर द्वारा 5,000 वापस देने का दबाव बनाया जाता है। विरोध करने पर नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है। कर्मचारियों ने बताया कि फरवरी माह का मानदेय अब तक उनके खाते में नहीं आया है। जिससे उनका गुजारा करना मुश्किल हो गया है। जब उन्होंने इस संबंध में मैनेजर से बात की, तो साफ तौर पर 5,000 वापस देने की बात कही गई। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि यह प्रथा पिछले कई महीनों से चल रही है। मैनेजर के डर से कोई खुलकर आवाज नहीं उठा रहा था। मानदेय में अनियमितता और शोषण के खिलाफ आखिरकार कर्मचारियों ने सोमवार को हड़ताल करने का फैसला किया। स्टेशन परिसर में गंदगी फैल गई है और यात्री परेशान हैं। कई यात्रियों ने स्टेशन प्रशासन से सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। हड़ताल के कारण यात्रियों के बैठने और शौचालयों की स्थिति भी काफी दयनीय हो गई है। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि उनका बकाया मानदेय शीघ्र दिया जाए। वेतन कटौती की व्यवस्था पर रोक लगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती, हड़ताल जारी रहेगी। इस संबंध में स्टेशन प्रशासन ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्टेशन पर सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। यात्रियों और कर्मचारियों दोनों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

झूठी गवाही देने पर बृजभूषण पर लगा 500 रुपए जुर्माना

संवाददाता–गोण्डा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 35 साल पुराने एक मामले में कोर्ट ने कार्रवाई करते हुए 500 रुपए का जुर्माना लगाया है। यह मामला सितम्बर 1990 का है, जब बृजभूषण सिंह ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे के ट्रायल के दौरान इनमें से दो आरोपियों उग्रसेन सिंह और रमेश चंद्र की मौत हो गई, जबकि तीसरे आरोपी वीरेंद्र मिश्र के खिलाफ बृजभूषण सिंह ने गवाही नहीं दी।

कोर्ट में बृजभूषण शरण सिंह अपने बयान से पलट गए। बचाव पक्ष की अधिवक्ता ने बहस किया और कोर्ट द्वारा वीरेंद्र मिश्रा को बरी कर दिया गया। कोर्ट ने झूठी गवाही और साथ देने मामले को लेकर के प्रकीर्ण वाद दर्ज करने का आदेश दिया था। 17 सितंबर 2024 को मामला दर्ज हुआ और इन्हें हाजिर होने के लिए संबंध भेजा गया। लेकिन बृजभूषण शरण सिंह कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे। उपस्थित न होने के कारण न्यायालय ने उनके खिलाफ गैर–जमानती वारंट भी जारी किया था।

इसके बाद बृजभूषण सिंह ने कोर्ट में क्षमा याचना दायर करते हुए मामले को समाप्त करने की अपील की थी। कोर्ट ने कल बृजभूषण की क्षमा याचना को स्वीकार करते हुए गैर जमानती वारंट रद्द कर दिया था।आज जुर्म स्वीकार प्रार्थना पत्र पर कोर्ट द्वारा सुनवाई करते हुए बृजभूषण के खिलाफ 500 रुपए का जुर्माना लगाते हुए पूरे मामले को समाप्त कर दिया है।

एडीजे प्रथम राजेश कुमार तृतीय की अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि बृजभूषण सिंह यह जुर्माना नहीं अदा करते हैं तो उन्हें तीन दिन के कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। यह मामला करीब साढ़े तीन दशक पुराना है,जो काफी समय से न्यायालय में लंबित था। वर्षों से चली आ रही सुनवाई के दौरान आरोपियों में से दो की मृत्यु हो जाने से मुकदमे की दिशा बदल गई।

अंत में बचे एक आरोपी के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत न करने और न्यायालय में अनुपस्थित रहने के चलते कोर्ट को सख्त रुख अपनाना पड़ा। इस फैसले के बाद एक बार फिर यह पुराना मामला चर्चा में आ गया है। हालांकि बृजभूषण सिंह के जुर्माना अदा करने के बाद मामला पूरी तरह समाप्त हो गया है।

आग में लगने से छह घर जले, लाखों का नुकसान

संवाददाता–गोण्डा। स्थानीय थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव में स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने दलित बस्ती में मंगलवार को अज्ञात कारणों से लगी आग में आठ दर्जन घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में तीन भैंसें झुलस गईं जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया गया। इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे दलित बस्ती में अचानक अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों और राजकीय पॉलिटेक्निक व आईटीआई के अध्यापक व छात्रों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि लोग अपने घरों का सामान तक नहीं बचा सके। आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है जिसमें पुदन, बेचन , दीनानाथ, धर्मपाल आदि के घर और पुदन की तीन भैंस झुलस गई जिसमें से एक की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल है। लेखपाल विजय तिवारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों को अहेतुक सहायता का आश्वासन दिया है।

राहुल और अखिलेश को करेंगे बेनकाब, पंचायत में सभी सीटों पर लड़ेगी पार्टी –अनिल दुबे

संवाददाता–गोण्डा। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे। सिंचाई डाक बंगले में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। अनिल दुबे ने आगामी पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक की।

उन्होंने घोषणा की कि पार्टी जिला पंचायत की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि गोंडा समेत पूरे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल का विस्तार किया जाएगा। औरंगजेब पर चल रही बहस को उन्होंने बेकार बताया। उन्होंने कहा कि देश में कई महान स्वतंत्रता सेनानी और देशभक्त हुए हैं, हमें उन्हें याद करना चाहिए।

राष्ट्रीय लोकदल चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को आगे बढ़ाता है। उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी टिप्पणी की। कहा कि आने वाले समय में इन दोनों को बेनकाब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह पश्चिम में पार्टी ने अपनी जगह बनाई है, उसी तरह पूरे उत्तर प्रदेश में विस्तार किया जाएगा। पार्टी को मजबूत करने के लिए वे प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। हम लोगों का सिर्फ एक ही मकसद है कि एक बार फिर से एनडीए की सरकार उत्तर प्रदेश में बनें। 2027 में हम लोग पूरे मेहनत से लगेंगे और एक बार फिर से योगी के नेतृत्व में हम लोग सरकार बनाएंगे।

एनएसएस के प्रतिभागियों ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय सकरौरा ग्रामीण में चल रहे एनएसएस शिविर के प्रतिभागियों ने मंगलवार को आसपास के गांवों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को प्रथम सत्र में सरयू डिग्री कॉलेज के एनएसएस के छात्र–छात्राओं ने टोलियां बनाकर बेलवा सम्मय गांव में घर–घर जाकर लोगों को स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर शारीरिक स्वच्छता,भोजन एवं खान–पान की स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान कर गांव की महिलाओं और पुरुषों को जागरूक किया। कार्यक्रमाधिकारी जगन्नाथ तिवारी एवं पवन कुमार मिश्र के निर्देशन में द्वितीय सत्र में बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला उत्थान में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की गई। जिसमें छात्रा खुशी शुक्ला, शालिनी गौतम, प्रिया ओझा, शबरीन, कोमल, नमिता राजलक्ष्मी, श्वेता पाण्डेय, रुचि हरिशंकर निशा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिमा सिंह ने महिला उत्थान में शिक्षा की भूमिका के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर प्राचार्य डॉ आरवी सिंह, डॉ त्रिपुरारी दूबे, मार्शल स्टालिन, अजय कुमार सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अधिवक्ता संघ इकौना में मनाया गया होली मिलन

संवाददाता–श्रावस्ती। तहसील संघ भवन इकौना में अधिवक्ताओं ने होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया। जिसमें अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाते हुए एक दूसरे के गले शिकवे भूलकर होली की शुभकामनाएं दीं। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर महामंत्री श्रीधर द्विवेदी,उदयराज पांडेय, रामकुमार शुक्ला, आशुतोष पाठक, बंसराज शुक्ला सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

उधार न देने पर दुकानदार से अभद्रता

संवाददाता–गोण्डा। परचून की दुकान पर सामान लेने के बाद उधार न करने पर एक युवक अपने परिजनों के साथ मिलकर दुकानदार से अभद्रता करते हुए जानमाल की धमकी दे डाली। मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है। कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम कुम्हरगढ़ी निवासी अंकित गोस्वामी ने पुलिस को दिए तहरीर में कहा है कि पावर हाउस के पास उसकी बाबा पूजन भंडार के नाम से परचून की दुकान है। बीते 15 मार्च की शाम को दलईपुरवा बांसगांव निवासी सत्यम तिवारी अपनी मां और दो भाइयों के साथ उसके दुकान पर आए। सामान लेने के बाद पैसा मांगने पर उधार करने को कहा मना करने पर वह लोग अपशब्द कहते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। यही नहीं आरोपी ने कहा कि मेरे पिता पुलिस में हैं तुम्हारी दुकान बंद करवा कर फर्जी मुकदमे में जेल भेजवा देंगे। तभी से दुकानदार डरा सहमा है। कोतवाल श्रीधर पाठक ने बताया मामला संज्ञान में नहीं आया है। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बुलेट से निकाली तमंचे जैसी आवाज, भिड़ गए दो पक्ष, चले ईंट पत्थर, कुल्हाड़ी दिखाकर पुलिस को भी दौड़ाया

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा इलाके में बुलेट के साइलेंसर से तमंचे जैसी आवाज निकालने पर गाहासाड गांव में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। रविवार शाम समझौता के लिए बैठक बुलाई, जिसमे दोनों पक्षों में बात नहीं बनी और ईंट पत्थर और कुल्हाड़ी से एक दूसरे पर हमला कर दिया। बीच–बचाव करने आई पुलिस को भी ईंट पत्थर और कुल्हाड़ी दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए दौड़ा लिया। इस झगड़े में दोनों पक्षों के 22 दो पहिया और चार पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कई लोग घायल हो गए। गीडा थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने हल्का सिपाही की तहरीर पर पुलिस ने दोनों पक्षों से 22 लोगों के खिलाफ नामजद और अज्ञात पर केस दर्ज किया है। इसमें त्रियुगी, प्रदीप, गिरजेश, शेषमणि, अनिरुद्ध, नौरंग, अमय, आशुतोष, शैलेंद्र, संदेश, अवधेश, राधेश्याम, दुर्गेश तथा मुन्ना आदि के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, गीडा क्षेत्र के गाहासाड में रविवार की सुबह एक युवक बुलेट चला रहा था, जिसके साइलेंसर से कट्टे की तरह तेज आवाज निकल रही थी। गांव के एक पक्ष के लोगों ने इसका विरोध जताया। बैठक ही देखते दो पक्ष आमने सामने हो गए और सूचना पर पुलिस पहुंच गई। दोनों बच्चों को शांत करवाते हुए शाम को एक बैठक बुलाई गई। पुलिस की मौजूदगी में शाम के समय दोनों पक्षों में बातचीत हुई और समझौते पर बात भी बन गई थी। अचानक पुलिस के सामने ही किसी बात पर फिर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। इसके बाद ईंट पत्थर और कुल्हाड़ी से एक दूसरे पर हमला करने लगे।

इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार सोमवार को जेल भिजवा दिया। इसमे गाहासाड के गिरदेश प्रसाद, आदेश प्रसाद, अंकित प्रसाद, अमित प्रसाद, दुर्गेश प्रसाद, अमित कुमार, छोटे लाल, संतकबीर नगर महुली मोलनापुर निवासी सुग्रीव, पीपीगंज डिहवा बुजुर्ग के विकास कुमार, शिवम, राहुल कुमार, पिपराइच के तुलसी देउर निवासी अमित का नाम शामिल है।

इसके बाद डायल 112 पर सूचना मिलने पर अधिक संख्या में तीन थाना गीडा, सहजनवां और हरपुर–बुदहट थाने की पुलिस गांव में पहुंची। पुलिस की संख्या देखकर मारपीट व तोड़फोड़ कर रहे लोग भागने लगे। इस दौरान एक पक्ष से 14 और दूसरे पक्ष से आठ दो पहिया व चार पहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। साथ ही घर में रखे कूलर, टीवी आदि सामानों को भी तोड़ दिया गया। घटना के बाद से ही गांव से अधिकतर पुरुष घर छोड़कर भाग गए हैं। गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है।

जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसपी उत्तरी ने कहा कि बुलेट की आवाज को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। इस मामले में 22 से अधिक लोगों पर केस दर्ज किया गया है। 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया है। जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से कपड़े के शोरूम में लगी आग, 40 लाख का सामान जला

संवाददाता–अयोध्या। मंगलवार को एक कपड़े के शोरूम में आग लग गई। लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के जमुनिया बाग के पास की है। यहां स्थित कमल ट्रेडर्स में सुबह धुआं उठता देख लोगों ने दुकान मालिक और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान स्वामी ने लगभग 35 से 40 लाख रुपये का सामान जलने का दावा किया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

केएम चीनी मिल में गिरी पानी की टंकी, मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत, दो की हालत नाजुक

संवाददाता–अयोध्या। मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। यहां केएम चीनी मिल में पानी की टंकी गिर गई। इसमें दबकर तीन कर्मचारी बुरी तरह घायल हो गए। तीनों को आनन–फानन अस्पताल पहुंचाया गया। वहां एक मजदूर ने दम तोड़ दिया। जबकि दो की हालत नाजुक बनी हुई है।

सुबह मिल में मजदूर काम कर रहे थे। इसी समय पानी की टंकी गिर गई। घटना के बाद मौके पर अपरातफरी मच गई। जानकारी मिली तो चीनी मिल प्रबंधन की ओर से बचाव कार्य शुरू किया गया। क्रेन की मदद से मलबे को हटाया गया। इसमें दबे कर्मियों को बाहर निकालकर चीनी मिल के वाहनों से अस्पताल भेजा गया।

अस्पताल में अयोध्या के सरियावां, पूराकलंदर निवासी इलेक्ट्रीशियन प्रवेश रावत की मौत हो गई। जबकि, देवरिया के कोहिलावा निवासी मैकेनिक विनोद कुमार और अयोध्या के कर्मा कोडरी निवासी इलेक्ट्रीशियन नंदकुमार पांडेय घायल हैं। एसडीएम सदर विकास धर दुबे ने बताया कि मंगलवार सुबह 10 बजे पानी की टंकी गिरने से तीन कर्मचारी दब गए थे। इनमें से एक की मौत हो गई है। जबकि दो घायल हैं। इनका इलाज चल रहा है। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि हादसे में एक मौत हुई है। दो घायल हैं। दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। इनको बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। हादसे में घायल एसी मैकेनिक विनोद कुमार ने बताया कि वर्कशॉप के कमरे में कुछ सामान लेने आए थे, तभी पानी की टंकी गिर गई। हादसे के वक्त कमरे में तीन लोग मौजूद थे।

कंबाइन मशीन के पहिया से दबा युवक, घंटों जिंदगी से जूझता रहा

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा के कुंदन मार्केट में मंगलवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे सब्जी लदी मिनी लोडर गाड़ी पर बैठे युवक पर पीछे से कंबाइन मशीन चढ़ गई। कंबाइन मशीन के पहिए के निचे युवक की आधा शरीर दबकर फंस गया। एक घंटे तक युवक जीवन और मौत के बीच दर्द से कराहते हुए जूझता रहा।

जेसीबी और स्थानीय लोगों की मदद से कंबाइन मशीन को हटाकर युवक की जान बचाई गई। इस दौरान गोरखपुर से देवरिया जाने वाला फोर लेने की एक करीब डेढ़ घंटे तक बंद था। युवक को उपचार के जिला अस्पताल भेजवाया गया। पुलिस ने कंबाइन मशीन के साथ चालक को हिरासत में लिया। गगहा थाना ग्राम सोहगरवा निवासी अनूप (26) पुत्र भीम मिनी लोडर गाड़ी से सब्जी लेकर चौरीचौरा के कुंदन मार्केट में स्थित सब्जी मंडी में सब्जी बेचने के लिए आया था। अनूप गाड़ी के पीछे बैठा था। तभी नई कंबाइन मशीन तेज रफ्तार में बिहार के पटना में एजेंसी पर देने जा रही थी। अचानक कंबाइन चालक ने तेज रफ्तार में आ रही अपनी गाड़ी को सड़क के किनारे सब्जी लदी खड़ी मिनी लोडर गाड़ी के ऊपर चढ़ा दिया, जिसमें पीछे बैठे अनूप का शरीर का कमर के नीचे का हिस्सा दबा गया। ग्राम चकदेईया निवासी अंकित यादव ने अपनी जेसीबी की मदद से कंबाइन को हटाया गया।

दस हजार का इनामिया कोटेदार गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शिवनगर डिड़ई थाना की पुलिस ने मंगलवार को 10 हजार रुपये के इनामिया आरोपित कोटेदार को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ राशन की कालाबाजारी करने के आरोप में केस दर्ज था। वह तभी से फरार था। पुलिस उसकी तलाश में थी। थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि सियाराम पुत्र घिसियावन निवासी निसहर थाना शिवनगर डिड़ई के खिलाफ 2024 में प्रशासन की ओर से धारा 318(4),316(5) बीएनएस व 3/7 ईसी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया था। उस पर आरोप था कि कार्ड धारकों को राशन न देकर खुले बाजार में बेच दिया करता था। केस दर्ज करने के बाद से ही उसकी तलाश चल रही थी। वह फरार था। उस पर 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। मंगलवार को जानकारी मिली कि वह गांव में मौजूद है। सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस ने उसे निसहर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई उदय सिंह, सुरेंद्र चंद, कांस्टेबल शुभम गुप्त, प्रमोद कुमार शामिल रहे।

बीईओ ने मानदेय न पाने वाली रसोइयों की मांगी सूचना

संवाददाता–संतकबीरनगर। परिषदीय विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना में कार्यरत रसोइयों को फरवरी माह का भुगतान कर दिया गया है। सभी के खाते में ट्रेजरी तथा पीएफएमएस के माध्यम से पांच–पांच हजार रुपये का भुगतान किया गया है। सभी प्रधानाध्यापक जिन रसोइयों के मानदेय का भुगतान नही हुआ है, उनकी सूचना उपलब्ध कराएं।

पति से फोन पर बात करने के बाद फंदे से लटक गई महिला

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के डुमरी नंबर दो में मंगलवार की सुबह एक महिला ने पंखे से लटककर जान दे दी। बताया जा रहा है कि घटना से कुछ देर पहले उसने अपने पति से मोबाइल पर बात की थी। पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच पड़ताल कर रही है। गुलरिहा थाना क्षेत्र के खपड़हवा चौकी क्षेत्र के जंगल डुमरी नम्बर दो के टोला मंगलपुर निवासी जनार्दन निषाद हैदराबाद रहकर पेंट पॉलिश का कार्य करता है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब नौ बजे रीमा (30) ने पति से मोबाइल पर बात की। इसके कुछ देर बाद महिला कमरे में पंखे से फंदा लगाकर लटक गयी। घटना की जानकारी होने के बाद लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जब तक लोग पहुंचते और उसे नीचे उतारते, काफी देर हो चुकी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की छह वर्ष की एक बेटी और आठ साल का एक बेटा है। उसने आत्महत्या क्यों की, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) एफ०टी०सी० बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 115/2017
मूलवाद सं0–902/2002
लौटू आदि
बनाम
संतराम
1. संतराम उम्र 62 साल पुत्र राम अधार साकिन कड़वा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रुधौली जिला–बस्ती
धारा 114 सी0पी0सी
तारीख पेशी 16–04–2025
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 04 के 16 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 22/2025
सुमित्रा उर्फ रोशनी –सायल
1. सुमित्रा उर्फ रोशनी उम्र 30 वर्ष पुत्री जयप्रकाश त्रिपाठी ग्राम कुशमैनी तप्पा रामपुर पैली परगना मगहर पूरब पोस्ट मुण्डेरवा तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 272175
तारीख पेशी 30–04–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 30–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 163/2018
रामअचल आदि
बनाम
प्रमात्मा प्रसाद आदि
1– रामवृक्ष 2. दीनदयाल पुत्रगण रामदीन निवासी मोहल्ला तुरकहिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 3. श्रीमती मन्जू पत्नी गुरूप्रसाद निवासी ग्राम कैनपुरा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. श्रीमती सन्जू पत्नी बुद्धिराम निवासी ग्राम दसिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील रुधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 23–04–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिए और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 148/2023
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 प्रथम स्थान–नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
दिनेश सिंह
बनाम
अभिषेक सिंह आदि
1. अभिषेक सिंह पुत्र रमेश कुमार सिंह निवासी ग्राम केसारी पोस्ट एकडेंगवा तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर –प्रतिवादी प्रथम पक्ष
2. श्रीमती चन्द्रावती देवी पत्नी स्व0 दयाशंकर सिंह निवासी ग्राम केसारी पोस्ट एकडेंगवा तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर –प्रतिवादिनी द्वितीय पक्ष
तारीख पेशी 27–03–2025
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 27–03–2025 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 148/2024
राजेन्द्र प्रसाद आदि
बनाम
राधेश्याम आदि
1. राधेश्याम पुत्र मोती साकिन बाघडीह कुंवर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. दिलीप कुमार 3. अशोक कुमार पुत्रगण रामआसरे साकिन बाघडीह कुंवर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 02–04–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 470/2024
आज्ञाराम
बनाम
उमेश आदि
1. उमेश 2. दिलीप 3. अवधेश 4. रमेश पुत्रगण स्व0 गोली निवासीगण ग्राम केसरई तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. मिश्रीलाल 6. रामशब्द पुत्रगण दयाराम निवासीगण ग्राम केसरई तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 24–03–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद 145/2024
रविन्द्र सिंह आदि
बनाम
श्रीमती कमलेश कान्ती आदि
1. श्रीमती कमलेश कान्ती पत्नी सुनील कुमार ग्राम मूड़ाडीहा तप्पा कपरी महसो हाल मुकमा हवेली खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
2. टीहुल 3. बनारसी पुत्रगण रामगरीब 4. रामरूप 5. मुनई पुत्रगण दीहल 6. गनेश 7. दशरथ पुत्रगण बालेसर 8. बबलू 9. पिन्टू 10. वासदेव पुत्रगण नागू 11. प्रकाश पुत्र महेश 12. पुन्नु पुत्र रामनरेश साकिन हवेली खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–04–2025
हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 04 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 01/2025
श्रीमती लक्ष्मी सिंह
बनाम
श्रीमती सरबती सिंह आदि
1. श्रीमती सरबती सिंह पत्नी स्व0 रूद्र नारायण सिंह 2. अभय कुमार सिंह 3. विजय बहादुर सिंह पुत्रगण स्व0 रूद्र नारायण सिंह 4. श्वेता सिंह पत्नी विजय बहादुर सिंह निवासीगण ग्राम पिकौरादत्तू राय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–04–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 C202217000000320
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
शमसुद्दीन आदि
बनाम
मोहम्मद जुबेर आदि
बनाम– 1/1 श्रीमती सदरून्निश पत्नी स्व0 मो0 जुबेर 1/2 अब्दुल रहीम पुत्र स्व0 मो0 जुबेर 2. मो0 सादिर पुत्र दाहू साकिनान मौजा सेवाइचपार तप्पा गौर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल पूर्व तहसील बांसी जनपद–संतकबीरनगर
–उत्तरवादी प्रथम वर्ग
3. ग्राम सभा सेवाइचपार जरिये प्रधान निवासी सेवाइचपार तप्पा गौर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल पूर्व तहसील बांसी जनपद–संतकबीरनगर
–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 08–04–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 08 महीना 04 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानून आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 620/2024
फूलचन्द आदि
बनाम
रामकृष्ण आदि
1. रामकृष्ण उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र शिवमूरत 2. राम प्रकाश उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र रामवरन साकिनान बरगदवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट गांधीनगर
तारीख पेशी 30–04–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

कार्यालय संभागीय उपनिदेशक (प्रशासन/विपणन)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती।
पत्रांक–ई0 निविदा/2025–568 दिनॉक: 18. 03. 2025
अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
इस कार्यालय के पत्रांक 539 दिनॉक 28 फरवरी, 2025 के द्वारा मण्डी परिषद द्वारा संचालित गेहूं क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्यो हेतु आमंत्रित ई–निविदाओं जिनके टेण्डर आई0डी0 क्रमशः 2025_RKUMP_1012378_1, 2025_RKUMP_1012373_1, 2025_RKUMP_1012369_1, 2025_RKUMP_1012165_1, एवं 2025_RKUMP_1012239_1, पर कोई भी निविदा प्राप्त न होने के कारण उक्त ई–निविदायें दिनॉक 26.03.2025 को पुनः आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनॉक 26.03.2025 को 11.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। जो उसी दिन अर्थात दिनॉक 26.03.2025 को अपरान्ह 13.00 बजे सम्भागीय कार्यालय में खोली जायेगी। शेष नियम व शर्ते यथावत रहेंगी।
(ज्योति यादव)
उप निदेशक (प्रशा०/विप०)

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com